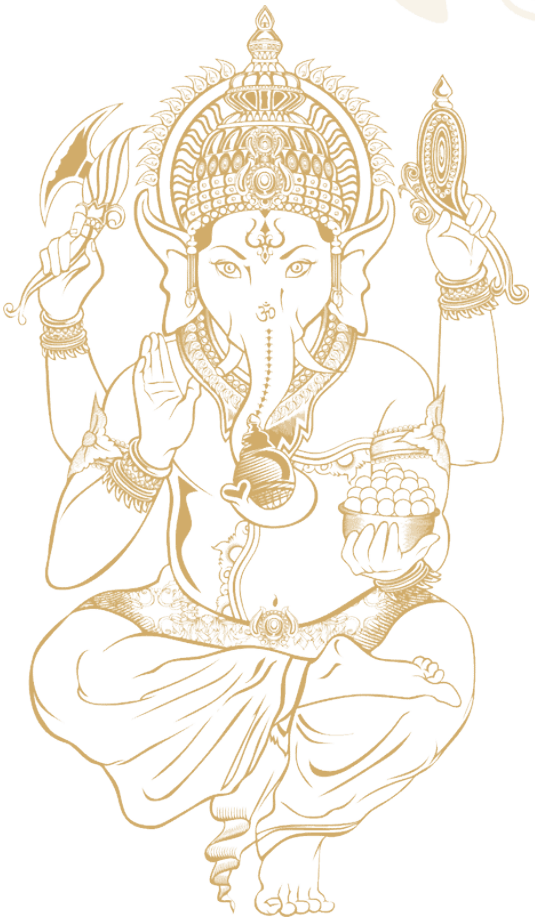

Lucky Neha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120592502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/05/1993	जन्म तिथि	04/06/1993
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	20:25:00 घंटे
घटी 17:11:27	जन्म समय(घटी)	36:52:17 घटी
India	देश	India
Bikaner	स्थान	Jodhpur
28:01:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
73:22:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:36:32	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:52:25	सूर्योदय	05:44:46
19:14:12	सूर्यास्त	19:26:56
23:46:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 9मा 9दि	28:45:58	कर्क	लग्न	धनु	04:00:39	बुध 11वर्ष 2मा 8दि
केतु	22:58:28	मेष	सूर्य	वृष	20:13:13	शुक्र
15/02/2022	08:24:09	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	21:13:23	13/08/2011
14/02/2029	10:46:25	कर्क	मंगल	कर्क	25:41:20	13/08/2031
केतु 14/07/2022	12:52:26	मेष	बुध	मिथु	10:21:59	शुक्र 13/12/2014
शुक्र 13/09/2023	11:54:09	कन्या व	गुरु	कन्या	11:00:26	सूर्य 13/12/2015
सूर्य 19/01/2024	13:45:25	मीन	शुक्र	मेष	04:34:42	चन्द्र 13/08/2017
चन्द्र 19/08/2024	05:37:47	कुंभ	शनि	कुंभ	06:31:56	मंगल 13/10/2018
मंगल 15/01/2025	18:30:16	वृश्चि व	राहु व	वृश्चि	18:24:50	राहु 13/10/2021
राहु 02/02/2026	18:30:16	वृष व	केतु व	वृष	18:24:50	गुरु 13/06/2024
गुरु 09/01/2027	28:22:26	धनु व	हर्ष व	धनु	27:49:12	शनि 13/08/2027
शनि 18/02/2028	27:19:43	धनु व	नेप व	धनु	26:55:22	बुध 13/06/2030
बुध 14/02/2029	00:35:05	वृश्चि व	प्लूटो व	तुला	29:48:39	केतु 13/08/2031

लग्न-चलित

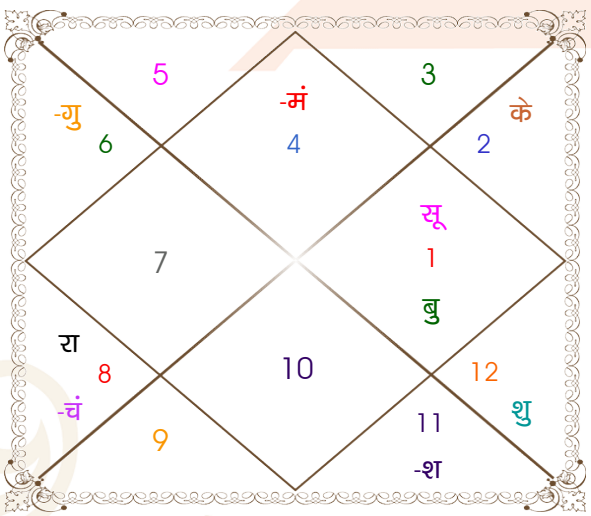

लग्न-चलित

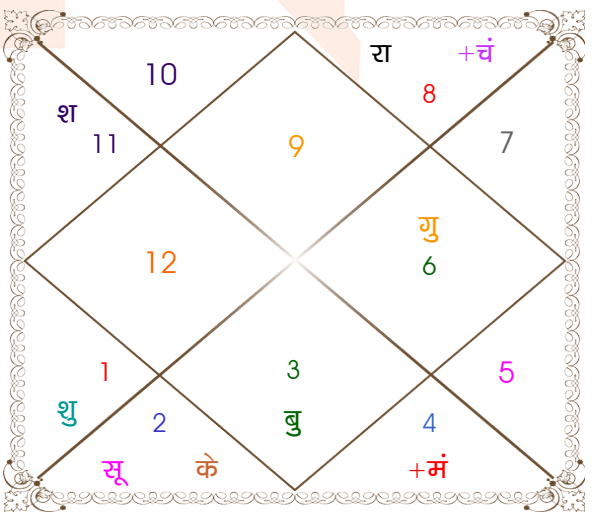

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

स्नबाल का वर्ग सर्प है तथा छर्मी का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार स्नबाल और छर्मी का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

स्नबाल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल स्नबाल कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छर्मी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छर्मी कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि छर्मी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि स्नबाल कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

स्नबाल तथा छर्मी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।